

हफ़्तावार रिसाला : 398

Weekly Booklet : 398

26 Faraameen e Attar

26 फ़रामीने अत्तार

(अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)

(सफ़हहत 26)



शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बान्धिये दावते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी रज़वी داعية برکاتکلم
العاليه

किताब पढ़ने की दुआ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले यह दुआ पढ़ लीजिये **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ الْكَرِيمِ**
जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा।

(अव्वल आखिर एक बार दुरूद शरीफ पढ़ लीजिये)

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

(استطرف، 1/40)

हफ़्तावार रिसाला मुतालआ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ ! अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रते अल्लामा मौलाना मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरि रज़वी जि़याई **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ** /ख़लीफ़े अमीरे अहले सुन्नत अलहाज़ अबू उसैद उ़बैद रज़ा मदनी **رَضِيَ اللهُ عَنْهُ** की जानिब से हर हफ़्ते एक रिसाला पढ़ने या सुनने की तरगीब दी जाती है। **مَا شَاءَ اللهُ !** लाखों इस्लामी भाई और इस्लामी बहनें यह रिसाला पढ़ या सुन कर अमीरे अहले सुन्नत / ख़लीफ़े अमीरे अहले सुन्नत की दुआओं से हिस्सा पाते हैं। यह रिसाला Audio में दा'वते इस्लामी की वेबसाइट से फ़्री डाउनलोड किया जा सकता है। इस रिसाले को सवाब की निय्यत से खुद भी पढ़ें और अपने मर्हूमिन के ईसाले सवाब के लिये तक़्सीम करें। (शो'बा : हफ़्तावार रिसाला मुतालआ)

नाम रिसाला : **26 फ़रामिने अत्तार** (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)

मुअल्लिफ़ : शैख़े तरीक़त अमीरे अहले सुन्नत बानिये दा'वते इस्लामी हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरि रज़वी **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ**

सिने त़बाअत : रमज़ान 1446 सि.हि., मार्च 2025 ई.

ता'दाद : 0000

नाशिर : मक्तबतुल मदीना

इलतिजा

किसी और को यह रिसाला छापने की इजाज़त नहीं है।

किताब की त़बाअत में नुमायां ख़राबी हो या सफ़हात कम हों या बाइर्निडिंग में आगे पीछे हो गए हों तो मक्तबतुल मदीना से रूजूअ कीजिये।

पहले इसे पढ़ें

Read this first

दुआए ख़लीफ़े अमीरे अहले सुन्नत : या अल्लाह पाक ! जो कोई 26 सफ़हात का रिसाला : “26 फ़रामीने अत्तार (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)” पढ़ या सुन ले उसे अमीरे अहले सुन्नत का मन्ज़ूरे नज़र और पसन्दीदा बना और उसे ख़ूब नेकी की दा’वत आम करने की तौफ़ीक़ अता फ़रमा और उस से हमेशा हमेशा के लिये राज़ी हो जा । **امین بجاه خاتم النبیین صلّى الله عليه وآله وسلم**

सब से ज़ियादा हूँ किस के लिये ? (दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत)

Who will receive the most Heavenly Maidens?
(Virtue of sending Ṣalāt upon the Prophet)

फ़रमाने आख़िरी नबी **صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ** : “जन्नत में सब से ज़ियादा हूँ उस शख्स को मिलेंगी जो मुझ पर सब से ज़ियादा दुरूद पढ़ने वाला होगा ।”
(أفضل الصّلوات للنبیّانی، ص 25)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ❀❀❀ صَلَّى اللهُ عَلَى مُحَمَّدٍ

शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा’वते इस्लामी हज़रते अल्लामा मौलाना मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ** बड़ी इल्मी और रूहानी शख्सियत हैं। आप की विलादत (Birth) 26 रमज़ानुल मुबारक 1369 हिजरी मुताबिक़ 8 जुलाई 1950 ई. को हुई, आप की ज़ात यादगारे अस्लाफ़ है (या’नी आप की बातों और किरदार से बुजुर्गाने दीन **رَحْمَةُ اللهِ عَلَيْهِم** की खुशबू आती है) इसी वजह से आप के इर्शादात हमारे लिये मशअले राह (या’नी ज़िन्दगी गुज़ारने के बेहतरीन उसूल) हैं।

अल मदीनतुल इल्मिय्या के शो’बे “हफ़तावार रिसाला मुतालआ” की जानिब से पिछले साल (या’नी 2024 में) “अमीरे अहले सुन्नत की

786 नसीहतें” नामी किताब मन्ज़रे आ़म पर आई और अब इस साल (या’नी 2025 में) अमीरे अहले सुन्नत की विलादत 26 रमज़ान शरीफ़ के मौक़अ पर एक और रिसाला बनाम **“26 फ़रामीने अ़त्तार (अमीरे अहले सुन्नत के क़लम से)”** पेश किया गया जो आप के हाथों में है। **اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ !** इस रिसाले में अमीरे अहले सुन्नत के हाथ की लिखी हुई तहरीर के साथ साथ कम्पोज़िंग और उसी फ़रमान की इंग्लिश ट्रान्सलेशन भी मौजूद है ताकि अंग्रेज़ी पढ़ने वाले भी इस्तिफ़ादा (या’नी फ़ाएदा हासिल) कर सकें।

इस रिसाले को नेकी की दा’वत आ़म करने की अच्छी अच्छी निय्यत के साथ आ़म कीजिये और ढेरों सवाब कमाइये। **अल्लाह** करीम हमें अमीरे अहले सुन्नत की दीनी सोच के मुताबिक़ इख़्लास के साथ दीन की ख़िदमत करने, नेकी की दा’वत देने और बुराई से मन्अ करने की तौफ़ीक़ अ़ता फ़रमाए।

इस साल (या’नी 26 रमज़ान शरीफ़ 1446 हिजरी) में अमीरे अहले सुन्नत **وَاَمَّتْ بِرُكَاةِهِمُ الْعَالِيَةَ** की उम्र हिजरी साल के मुताबिक़ 77 साल हो जाएगी, **अल्लाह** पाक की बारगाह में दुआ है कि **अल्लाह** करीम अमीरे अहले सुन्नत को सिहहतो आ़फ़ियत के साथ दराज़िये उम्र बिलख़ैर अ़ता फ़रमाए, आप के तमाम रूहानी जिस्मानी अमराज़ पर रहमत की नज़र करे और **अल्लाह** करीम आप के साए को हमारे सरों पर ख़ैरो आ़फ़ियत के साथ सलामत रखे। **اٰمِيْنَ بِجَاهِ خَاتَمِ النَّبِيِّينَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ**

तालिबे ग़मे मदीना व बक़ीअ व बे हिसाब मग़िफ़रत

अबू मुहम्मद ताहिर अ़त्तारी मदनी **عَنْ مُحَمَّدٍ بْنِ عَمْرٍو**

शो’बा हफ़्तावार रिसाला मुतालाआ

فرمانے آخیری نبی ﷺ جس نے مظلوموں پر ایک بار دُرودِ پاک پڑھا اَللّٰهُ پاکِ اُس پر دس رُحمتوں بھیجتا ہے۔ (مسلم)



سب سے جیڑاااا مہبببب

The most Love

”الحمد لله جمعے كائنات كى پرشے سے بڑھ كر
 ”آخري نبى صلى الله عليه واله وسلم“ سے پيار ہے -
 ان شاء الله الكريم ميرابيدار پارسے۔“

10-10-22
 14
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

”آخیری نبی ﷺ کا عبادت کی ہر شے سے بڑھ کر “ان شاء الله الكريم” سے پيار ہے۔“

”أَلْحَمْدُ لِلَّهِ“ Out of all things in the universe,
 I love the final Prophet صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ
 most. إِنَّ شَاءَ اللهُ I will succeed.”

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِی ﷺ اُس شَخْصِی كِی نَاك خَاكِ آاَلُودِ هُوِ جِيسِ كِے پَاسِ مِیرَا جِیْكَرِ هُوِ اُورِ وَوِهُ مُؤْمِنِ پَرِ دُورُودِے پَاكِ نِ پَدِے۔ (تَرْغِی)۔

اللَّهُ

मुख़्लिस कौन ?

Who is Sincere?

”مُخْلِصِ وَوِهُ هُوَ جُوْ اِپْنِی نِیْکِیَاں اِیْطْرَاحِ چُھِپَاے
جِسِ طَرَحِ اِپْنِی بُرَائِیَاں چُھِپَاے۔“

۱۴-۵-۲۰
۱۴-۵-۲۰
۱۴-۵-۲۰

“मुख़्लिस वोह है जो अपनी नेकियां इस तरह छुपाए जिस तरह अपनी बुराइयां छुपाता है।”

“The sincere person is the one who conceals his good deeds just as he hides his sins.”

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِیِّ ﷺ جِو مُؤْمِنِی پَر دَس مَرْتَبَا دُرُودِے پَاکِ پَدِے اَللّٰہُ پَاکِ اُس پَر سِو رَہْمَتِے نَاجِیْلِے
فَرَمَاتَا ہِے (طَرِیْقِے)

اللہ

جشنِ ولادت کی خوشی میں اپنے مکان پر چراغاں کرنے کے
ساتھ ساتھ اپنے بدن و لباس کو سننوں سے اور کردار کو
حسینِ اخلاق سے خوب روشن کیجئے۔

Rejoice on the Mawlid

جشنِ ولادت کی خوشی میں اپنے مکان پر چراغاں کرنے کے
ساتھ ساتھ اپنے بدن و لباس کو سننوں سے اور کردار کو
حسینِ اخلاق سے خوب روشن کیجئے۔

اصول و احکام
مذہبِ نبوی
28-6-18
-صحت-

صلوا علی الحَبِیْبِ! صَلِّی اللّٰہُ عَلٰی مُحَمَّدٍ

جشنِ ولادت کی خوشی میں اپنے مکان پر چراغاں کرنے کے ساتھ
साथ अपने बदन व लिबास को सुन्नतों से और किरदार को
हुस्ने अख़लाक़ से ख़ूब रोशन कीजिये ।

“Alongside lighting up your home out of happiness for the Mawlid, thoroughly illuminate your body and clothes with the Prophetic *sunan*, and your conduct with good character.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ جس نے صبح پر سو بھ و شام دس دس بار دُرُودِ پاک پढ़ا उसे قیامت کے دن
 میری شفا اُت मिलेगी। (بخاری)

اللہ

دौलत

Wealth

”وہ دولت کس کام کی جو راہِ جنت میں رُکاوٹ بنے“
 یا اللہ کریم! اُس مال و دولت سے بچا جو زادِ آخرت میں
 کمی کا باعث اور راہِ جنت میں رُکاوٹ بنے۔

۱۱-۳-۱۱
 اور اللہ تعالیٰ
 سے دعا ہے کہ
 یہ سب باتیں
 ہر مسلمان
 کے دل میں
 ثبت رہیں۔
 آمین

امین بجاہ خاتم النبیین صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم

“وہ دولت کس کام کی جو راہِ جنت میں رُکاوٹ بنے“

یا اللہ کریم! اُس مال و دولت سے بچا جو زادِ آخرت میں کمی کا
 باعث اور راہِ جنت میں رُکاوٹ بنے۔ امین بجاہ خاتم النبیین صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم

“What use is that wealth which becomes an
 obstacle upon the path to Paradise!” O
 Allah Almighty, safeguard us from wealth
 that becomes a cause of our provisions for
 the Hereafter decreasing and an obstacle to
 Paradise. امین بجاہ خاتم النبیین صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم

फरमाने आखिरी नबी ﷺ जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुरूद शरीफ न पढ़ा उस ने जफ़्त की। (عبدالرزاق)



बोलना और तोलना

Think before speaking

”پہلے تو لو بعد میں بولو“ کے مطابق عمل کرنے والا
 دُنیا و آخرت کی بے شمار آفتوں سے بچ سکتا ہے۔

13-7-20
 21 ذوالفقہ الاول
 13-7-20
 13-7-20

“पहले तोलो बा'द में बोलो” के मुताबिक़ अमल करने वाला
 दुन्या व आखिरत की बे शमार आफ़तों से बच सकता है।

“The one who ‘thinks first and speaks after’ can save himself from many calamities of this world and the Hereafter.”

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِی ﷺ جِو مُذْنِ پَر رِوَجِے جُومُؤَا دُرُودِ شَرِیفِ پَدِغَا مِے کِیَا مَتِ کِے دِیْنِ اُسِ کِی شَافَا اَنْتِ کَرُؤْگَا | (عَنْ اَبِی بَرَاتٍ)

اللّٰهُ

بے اے 'تِیْبَارِ شَخْصِ

Untrustworthy Person

اِجھوٹا شَخْصِ "مُعَا شَرِے مِی
بے اِعتِبارِ ہِو جاتا ہے۔

۱۴ ربيع الاول
۱۴۱۹ھ

“ڈھٹا شَخْصِ” مُؤَا شَرِے مِے بے اے 'تِیْبَارِ ہِو جاتا ہے |

“A liar loses his trustworthiness in society.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ جس کے پاس میرا جِکْر ہوا اور اس نے मुझ पर दुरूदे पाक न पढ़ा उस ने जन्नत का रास्ता छोड़ दिया। (طبرانی)



ने 'मत पर शुक्र

Gratefulness upon receiving a Blessing

اللہ پاک کی ہر نعمت کا شکر ادا کرنا چاہئے، عبادت کی توفیق
 ملنا بھی عظیم نعمت ہے۔ الحمد للہ ہر ناز کے بعد یاد آنے پر
 اللہ پاک کا شکر ادا کرنے کی مجھے سعادت ملتی ہے۔



شکرِ نعمت کی نیت سے الحمد للہ کہنا بھی "ادائے شکر" ہے۔

(مدنی پھول لکھنے کی سعادت ملی اس نعمت پر بھی بطور ادا تے شکر کہتا ہوں: الحمد للہ)

अल्लाह पाक की हर ने'मत का शुक्र अदा करना चाहिये, इबादत
 की तौफीक मिलना भी अजीम ने'मत है, الحمد لله हर नमाज के
 बा'द याद आने पर अल्लाह पाक का शुक्र अदा करने की मुझे
 सआदत मिलती है।

शुक्रे ने'मत की नियत से الحمد لله कहना भी "अदाए शुक्र" है।

(मदनी फूल लिखने की सआदत मिली इस ने'मत पर भी बतौर

अदाए शुक्र कहता हूँ: الحمد لله)

"We should be grateful for every bounty of Allah Almighty, and having the ability to worship is a great blessing. الحمد لله, After each prayer, when I remember, I have the honour of thanking Allah Almighty." (Saying "الحمد لله" with the intention of showing gratitude for a blessing is also an expression of gratefulness.)

(I had the honour of writing a pearl of wisdom, so I express gratitude for this blessing by saying الحمد لله)

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِی ﷺ جِس کے پاس مِرا جِکْر ہو اُور वोह मुझ पर दुरुद शरीफ न पड़े तो वोह लोगों में से क-जूस तरीन शरूख है। (منہاج)

اللہ

سفر کا لطف

The Pleasure of Travelling

ہوسکے تو نگاہیں نیچی رکھ کر سفر کا لطف اٹھائیں،
 کااش! کسی عورت یا بے ہودہ سائن بورڈ پر
 بے اختیار بھی نظر نہ پڑے۔

ہو سکتے تو نگاہیں نیچی رکھ کر سفر کا لطف اٹھائیں،
 کسی اورت یا بے ہودہ سائن بورڈ پر بے اختیار بھی نظر نہ پڑے۔

“If possible, gain the pleasure of travelling with the gaze lowered. If only the gaze were not to fall upon a woman or an indecent billboard, even unintentionally.”

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِی ﷺ جِو لَوِغ اَپنِی مَجلِیس سَے اَللّٰہ پَاک کَے جِکَر اَور نَبِی پَر دُروُد شَرِیف پَہے بَیغَیر اُٹ گَے تِو ہ بَدبُودَار مُردَار سَے اُٹے۔ (عَقبِ اَلِیْمَان)

اللہ

इन्सान की पहचान

Recognition of People

”غُصَّے مِی اِنسَان کَے صَبْر کَا اَمْتِیَان ہِو تَابِے اُور
غُصَّے مِی اِنسَان کِی پِیْمَان ہِو جَاتِی ہے۔“



“गुस्से में इन्सान के सब्र का इम्तिहान होता है और
गुस्से में इन्सान की पहचान हो जाती है।”

“It is in anger that a person’s patience is tested, and it is in anger that a person is recognised.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ جس نے مؤذن پر رोजے جومؤا دو سو بار دुरूده پاک پढ़ا उस के दो सो साल के गुनाह मुआफ होंगे। (بخاری)

الله

अच्छे बच्चे

Good Children

چھوٹے بچوں کے ذہن میں اچھی طرح یہ
بات بٹھا دینی چاہئے کہ "اچھے بچے گھر کی بات
باہر نہیں کیا کرتے!"



छोटे बच्चों के जेहन में अच्छी तरह येह बात बिठा देनी चाहिये कि
“अच्छे बच्चे घर की बात बाहर नहीं किया करते।”

“Inculcate it firmly into the minds of your children that good children do not mention household matters outside the home.”



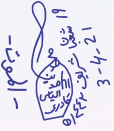
महब्बत बढ़ाएं

Increase Love

” چھوٹے سے چھوٹا فرد بلکہ بچہ بھی کون بات کرے تو اسے

توجہ سے سننے کی عادت بنائیے، اسے اہمیت دیجیے۔“

ان شاء اللہ الکریم لوگوں آپ سے محبت کریں گے۔



“छोटे से छोटा फर्द बल्कि बच्चा भी कोई बात करे तो उसे तवज्जोह से सुनने की आदत बनाइये, उसे अहम्मियत दीजिये।”
 ان شاء اللہ الکریم لوگوں آپ سے महब्बत करेंगे।

“If a young person or even a child is talking, give them importance. **ان شاء اللہ**
 People will show you love.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ علی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم مہذب پر کسرت سے دुरूدے پاک پدو بےشک تومہارا مہذب پر دुरूدے پاک پدنا تومہارے
 گوناہوں کے لیے مہغفرت ہے (تاریخ ابن مساکر)

اللہ

نرमी गरमी

Benefits of Gentleness

۱۱-۱۹-۲۰۱۳
 ۱۱-۱۹-۲۰۱۳
 ۱۱-۱۹-۲۰۱۳
 ۱۱-۱۹-۲۰۱۳

”جو کام نرمی سے نکلتا
 ہے وہ گرمی سے نہیں نکلتا“

“جو کام نرमी سے نیکللتا ہے वोह गरमी से नहीं निकलता ।”

“The result which is attained with
 gentleness cannot be attained with
 harshness.”

फरमाने आखिरी नबी ﷺ जिस ने किताब में मुझ पर दुरुदे पाक लिखा तो जब तक मेरा नाम उस में रहेगा फ़िरिश्ते उस के लिये इस्तिफ़ार (या'नी बख़्शिश की दुआ) करते रहेंगे। (बुर्क)

الله

रोज़ाना जाएज़ा

Daily Accountability

روزانہ Fix Time پر دن بھر کے اپنے نیک و برا اعمال کا
جاڑزہ لیکر مزید بہتری لانے کا ذہن بناتے ہوئے
رسالہ: "نیک اعمال" کے خانے پُر کیجئے۔



रोज़ाना Fix Time पर दिन भर के अपने नेक व बुर आ'माल का
जाएज़ा ले कर मज़ीद बेहतरी लाने का ज़ेहन बनाते हुए रिसाला :
“नेक आ'माल” के ख़ाने पुर कीजिये।

“With the intention of bettering yourself,
at a fixed time every day, analyse the good
and bad deeds you did throughout the day
and fill in the *Pious Deeds* booklet.”

फरमाने आखिरी नबी ﷺ जो मुझ पर एक दिन में 50 बार दुरूदे पाक पढ़े कियामत के दिन मैं उस से मुसाफ़हा करूँ (या'नी हाथ मिलाऊँ)गा। (अनसुवाल)



नेकियों के खज़ाने

Treasure of good Deeds

”جس کے پاس ایمان جتنا مضبوط ہوگا اُس کے پاس
نیکیوں کے خزانے کی بھی اتنی ہی کثرت ہوگی، لہذا
وہاں شیطان بہت زیادہ زور لگائے گا۔“



“जिस के पास ईमान जितना मज़बूत होगा उस के पास नेकियों के खज़ाने की भी उतनी ही कसरत होगी, लिहाज़ा वहां शैतान बहुत ज़ियादा जोर लगाएगा।”

“The stronger one’s faith, the more good deeds he will have amassed, so Satan will try his utmost to exert influence upon him.”

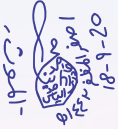
فرمانے آخیری نبی ﷺ بروجہ کیمامت لوگوں میں سے میرے کرب تر وہو هوگا جس نے دنیا میں مؤذن پر جیڑا دا دुरू دے پاک پدھے هوئے | (ترجمہ)



شیدچول بناڈیے

Create a Schedule

جو یہ چاہتا ہے کہ اُس کا وقت ضائع نہ ہو اُس کو چاہیے کہ
روزمرہ کے اپنے دینی و دنیوی کاموں کا شیڈول بنا لے۔



جو یہ چاہتا ہے کہ اُس کا وقت ضائع نہ ہو اُس کو چاہیے کہ
روزمرہ کے اپنے دینی و دنیوی کاموں کا شیڈول بنا لے۔

“The one who desires to not waste any
time should make a daily schedule for his
religious and worldly activities.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ جس نے مؤذن پر एक مرتबा दुरूदे पाक पढ़ा अल्लाह पाक उस पर दस रहमते भेजता और उस के नामए आ'माल में दस नेकियां लिखता है। (7/2)

الله

नफ़िसय्यात समझिये

Understand people's Temperament

” کسی کو سہرمانے کیلئے اُس کے منصب اور
اُس کی نفسیات کو بھی پیشترِ نظر رکھنا چاہیے۔“



“किसी को समझाने के लिये उस के मन्सब और उस की
नफ़िसय्यात को भी पेशे नज़र रखना चाहिये।”

“When advising someone, keep in mind
their status and temperament.”

फरमाने आखिरी नबी ﷺ शबे जुमुआ और रोजे जुमुआ मुझ पर दुरुद की कसरत कर लिया करो जो ऐसा करेगा कियामत के दिन मैं उस का शफीअ व गवाह बनूंगा। (غیب الایمان)

اللہ

अमीरे अहले सुन्नत की मस्जिदे बैत

The Ameer of Ahl al-Sunnah's Masjid al-Bayt

الحمد لله جمعۃ الوداع (۲۴ رمضان المبارک ۱۴۴۲ھ) میں نے بیت البقیع کے اپنے کمرے کے ایک حصے کو "مسجد بیت" بنایا اور اس کا نام "فیضانِ رمضان" رکھا۔ اللہ پاک قبول فرمائے اور ادب کی توفیق بخشے۔
آمین

۱۴
۱۳
۱۲
۱۱
۱۰
۹
۸
۷
۶
۵
۴
۳
۲
۱
۱۴
۱۳
۱۲
۱۱
۱۰
۹
۸
۷
۶
۵
۴
۳
۲
۱

जुमुअतुल वदाअ (24 रमजानुल मुबारक 1442 हि.) को मैं ने बैतुल बकीअ के अपने कमरे के एक हिस्से को "मस्जिदे बैत" बनाया और उस का नाम "फैजाने रमजान" रखा। अल्लाह पाक कबूल फरमाए और अदब की तौफीक बख्शे। आमीन

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ On the farewell Friday (24 Ramadan 1442 AH), I made a part of my room in Bayt al-Baqi' into a masjid al-bayt, and named it 'Faizan-e-Ramadan'. May Allah Almighty accept it and allow me to honour it." آمین

फ़रमाने आख़िरी नबी ﷺ जो मुझ पर एक बार दुरूद पढ़ता है अल्लाह पाक उस के लिये एक क़ीरात अज़्र लिखता है और क़ीरात उहुद पहाड़ जितना है। (मैदा राज़)

الله

वा'दा ख़िलाफ़ी

Breaking Promises



”وَعَدَهُ خِلَافِي نِيكَ بِنْدُوں
 كَا طَرِيفَتَ نِيكَ -“

“वा'दा ख़िलाफ़ी नेक बन्दों का तरीका नहीं।”

“Breaking promises is not the way of the pious.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ علی اللہ تعالیٰ علیہ والہ وسلم میں پر دُرود پढ़ کر अपनी मजालिस को आरास्ता करो कि तुम्हारा दुरुद पढ़ना बरोजे कियामत तुम्हारे लिये नूर होगा। (نورس الفجر)

الله

सलाम

Salām



”سلام تحبّت کے دروازے
کی چابی (یعنی KEY) ہے۔“

“सलाम महबबत के दरवाजे की चाबी (या'नी KEY) है।”

“*Salām* is the key to the door of love.”

फरमाने आखिरी नबी ﷺ शबे जुमुआ और रोजे जुमुआ मुझ पर कसरत से दुरूद पढ़ो क्यूं कि तुम्हारा दुरूद मुझ पर पेश किया जाता है। (طبرانی)

اللّٰهُ

नुक्सान न पहुंचाइये !

Do not cause Harm

”اَلرُّسُلُ (مُسْلِمًاوَنُصْرًا) نَفْعٌ لِّمَنْ يَّرْتَدُّ عَلَيْهِمْ
نُفْسَانِ بَهِي مَتٍ يَّرْتَدُّ عَلَيْهِمْ -“



“अगर (मुसलमानों को) नफ़अ नहीं पहुंचा सकते तो
नुक्सान भी मत पहुंचाओ।”

“If you cannot benefit (a Muslim) then at
least do not cause harm.”

فرمانے آخیری نبی ﷺ موسلمان جب تک مؤذ پر دُرودے پاک پढ़ता रहता है फिरशते उस पर रहमें भेजे रहते हैं, अब बंदे की मरजी कम पढ़े या ज्यादा। (ابن ماجہ)

اللہ

ग़मे मदीना

Yearning for Madīna

زبان کا قفلِ مدینے کی جب تک لگا رہتا ہے،
 نعمِ مدینے کی لذت ملتی رہتی ہے،
 بولتے چلے جانے سے وہ کیفیت باقی رہنا مشکل ہے۔
 - الموت -

ज़बान का कुफ़ले मदीना जब तक लगा रहता है,
 ग़मे मदीना की लज़ज़त मिलती रहती है, बोलते चले जाने
 से वोह कैफ़ियत बाकी रहना मुश्किल है।

“For as long as one controls their tongue, they continue to delight in yearning for al-Madinah al-Munawwarah; it is difficult to maintain this state whilst continuously speaking.”

فَرَمَانِے آخِرِی نَبِیِّ ﷺ عَلَیْهِ سَلَامُ جِس نے یَہ کَہا "جَزَى اللّٰهُ عَنَّا مُحَمَّدًا أَمَا هُوَ أَهْلُهُ" سَتَر فِی رِشْتِے عَکْ هَجَار دِی ن تَک اُس کَے لِیے نِکِیَاں لِیَکْ تَے رَہِیَے (بِرَقِی) |

اللّٰهُ

ईद किस की ?

Who is Eid for?

"عید اُس کی نہیں جس نے نئے کپڑے پہن لیے

عید تو اُس کی ہے جو عذابِ الہی سے ڈر گیا۔"

عید اُس کی نہیں جس نے نئے کپڑے پہن لیے
عید تو اُس کی ہے جو عذابِ الہی سے ڈر گیا۔
21-5
- اوت -

"ईद उस की नहीं जिस ने नए कपड़े पहन लिये,
ईद तो उस की है जो अज़ाबे इलाही से डर गया।"

"Eid is not for the one who wears new clothes, Eid is for the one who became fearful of divine punishment."

اگلے ہفتے کا ریسالہ



DAWATUL ISLAMI
INDIA

FGN
Dekhte Rahiye



Delhi : 421, Urdu Market, Matia Mahal, Jama Masjid,
Delhi-110006 ☎ +91-8178862570

Mumbai : 19/20, Mohammad Ali Road, Opp. Mandavi
Post Office, Mumbai-400003 ☎ +91-9320558372

Ahmedabad : Faizane Madina, Tinkonia Bagicha,
Mirzapur, Ahmedabad-380001 ☎ +91-9327168200

Nagpur : Opp. Garib Nawaz Masjid, Saifi Nagar
Road, Mominpura, Nagpur-440018 ☎ +91-9326310099

🌐 www.maktabatulmadina.in 📧 feedbackmmhind@gmail.com

📞 For Home Delivery of Books Please Contact on (T&C Apply) ☎ +91-9978626025